मेवाड़ विश्वविद्यालय एवं सीपैट के मध्य हुआ करार

चित्तौड़गढ़. मेवाड़ विश्वविद्यालय ने विद्यार्थियों के सैद्धान्तिक ज्ञान के साथ ही प्रायोगिक ज्ञान एवं प्रशिक्षण पर भी विशेष ध्यान देते हुए रोजगार परक ज्ञान प्रदान करने के उद्देश्य से सीपैट जयपुर के साथ अनुबन्ध किया है। विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट निदेशक हरीष गुरनानी ने बताया कि विगत कुछ वर्षों में कई संस्थानों के साथ विश्वविद्यालय ने एमओयू साइन किए है, इसी क्रम में विश्वविद्यालय एवं सीपैट जयपुर के मध्य एमओयू साइन किया गया।

इस एमओयू के तहत विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा एवं समय-समय पर फैकल्टी एक्सचेन्ज कार्यक्रम के द्वारा ज्ञान के आदान-प्रदान को सुनिश्चित किया जाएगा।

विश्वविद्यालय प्रबन्धन की ओर से ऐसे अनुबन्धों के माध्यम से विद्यार्थियों के प्रायोगिक ज्ञान एवं प्रशिक्षण पर विषेष ध्यान दिया जाता रहा है ताकि विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता का विस्तार हो सके एवं सैद्धान्तिक षिक्षा के साथ प्रायोगिक प्रशिक्षण के इस समावेश से विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम रोजगार परक एवं औद्योगिक मांग की पूर्ति को सुनिश्चित कर पाये और

Rajasthan Patrika 15-01-2022

मेवाड़ विश्वविद्यालय और सीपैट के बीच हुआ करार

भास्कर संवाददाता | गंगरार

मेवाड़ विश्वविद्यालय ने विद्यार्थियों के सैद्धान्तिक ज्ञान के साथ ही प्रायोगिक ज्ञान एवं प्रशिक्षण पर भी विशेष ध्यान देते हुऐ रोजगार परक ज्ञान प्रदान करने के उद्देश्य से सीपैट जयपुर के साथ अनुबन्ध किया है। विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट निदेशक हरीश गुरनानी ने बताया कि विगत कुछ सालों में कई संस्थानों के साथ विश्वविद्यालय ने एमओयू साइन किए हैं, इसी क्रम में विश्वविद्यालय एवं सीपैट जयपुर के मध्य एमओय साइन किया गया। इस एमओयू के तहत विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को सीपैट द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा एवं समय-समय पर फैकल्टी एक्सचेंज कार्यक्रम के द्वारा ज्ञान के आदान-प्रदान को सुनिश्चित किया जाएगा। विश्वविद्यालय प्रबन्धन द्वारा ऐसे अनुबन्धों के माध्यम से विद्यार्थियों के प्रायोगिक ज्ञान एवं प्रशिक्षण पर विशेष ध्यान दिया जाता रहा है, ताकि विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता का विस्तार हो सके एवं सैद्धान्तिक शिक्षा के साथ प्रायोगिक प्रशिक्षण के इस समावेश के फलस्वरूप विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम रोजगार परक एवं औद्योगिक मांग की पूर्ति को सुनिश्चित कर पायें और विद्यार्थी तकनीक के माध्यम से विभिन्न प्रायोगिक प्रक्रियाओं एवं प्रशिक्षण से रूबरू हो सकेंगे।

Dainik Bhaskar 15-01-2022

मेवाड़ विश्वविद्यालय का सीआईपीईटी के मध्य हुआ करार

गंगरार, 14 जनवरी (जसं.)। मेवाड़ विश्वविद्यालय ने विद्यार्थियों के सैद्धान्तिक ज्ञान के साथ ही प्रायोगिक ज्ञान एवं प्रशिक्षण पर भी विशेष ध्यान देते हुऐ रोजगार परक ज्ञान प्रदान करने के उद्देश्य से सेन्ट्रल इन्स्टीट्यूट ऑफ पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलॉजी जयपुर के साथ अनुबन्ध किया है।

विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट निदेशक हरिश गुरनानी ने बताया कि विगत कुछ वर्षों में कई संस्थानों के साथ विश्वविद्यालय ने एमओयू साइन किये है, इसी क्रम में विश्वविद्यालय एवं सेन्ट्रल इन्स्टीट्यूट ऑफ पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलॉजी जयपुर के मध्य एमओयू साइन किया गया। उन्होंने बताया कि इस एमओयू के तहत विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को सीआईपीईटी द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा एवं समय-समय पर फैकल्टी एक्सचेन्ज कार्यक्रम द्वारा ज्ञान के आदान-प्रदान को सुनिश्चित किया जायेगा। विश्वविद्यालय प्रबन्धन द्वारा ऐसे अनुबन्धों के माध्यम से विद्यार्थियों के प्रायोगिक ज्ञान एवं प्रशिक्षण पर विशेष ध्यान दिया जाता रहा है ताकि विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता का विस्तार हो सके। उन्होंने बताया कि सैद्धांतिक शिक्षा के साथ प्रायोगिक प्रशिक्षण के इस समावेश के फलस्वरुप विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम रोजगार परक एवं औद्योगिक मांग की पूर्ति को सुनिश्चित कर पाये और विद्यार्थी तकनीक के माध्यम से विभिन्न प्रायोगिक प्रक्रियाओं एवं प्रशिक्षण से रूबरू हो सकेंगे।

Jannayak 15-01-2022